>

Title: Situation arising out of decision to reduce the number of subsidized LPG cylinders in the country.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका बहुत ही आभारी हूं कि आपने मुझे एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर बोलने की अनुमति दी है। विगत दिनों भारत की तेल कंपनियों ने प्रति परिवार सब्सिडी पर 6 सिलेण्डर्स देने का फैसला किया है लेकिन आज भारत की जो भौगोलिक पृष्ठभूमि है, चाहे वह जम्मू-कश्मीर, नॉर्थ ईस्ट उत्तराखंड या हिमाचल प्रदेश हो, छः महीने फ्रीजिंग प्वाइंट पर लोगों को कुकींग और हिटिंग के लिए उस गैस के सिलेण्डर के सिवाय किसी और चीज पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है...(व्यवधान) आज सब्सिडी पर मात्र छः सिलेण्डर्स मिलना और नॉन-सब्सिडी पर सिलेण्डर के दाम 950 रूपया है, देश के किसी भी राज्यों में 950 रूपये में यह नहीं मिल रहा है। अगर आप उसे खरीदने जाइए तो आप 1100 रूपये या 1200 रूपये दीजिए तभी वे कहेंगे कि देंगे नहीं तो वे कहेंगे कि हमारे पास उपलब्ध नहीं है।...(व्यवधान) आखिर यह कौन सी बात हैं?...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: You should be happy that he has raised this issue. Let him finish and then you can support.

श्री जगदम्बिका पाल : अधिष्ठाता महोदय, इन कंपनियों ने इस नीति को लागू करने के बाद उन्होंने कहा कि केवाईसी फॉर्म जमा करना है उसको हर माह बढ़ा रहे हैं। केवाईसी फॉर्म में यह है कि क्या उनका पता, कनेक्शन सही है या नहीं है?

आज दिल्ली हो या लखनऊ हो, छोटे शहरों में भी एक घर में चार-चार किराएदार रहते हैं और नीति यह है कि एक घर को केवल एक कनेक्शन मिलेगा। चार किराएदार जो नौकरी करते हैं एक घर में रहते हैं, अगर एक ही कनेक्शन रहेगा और तीन कनेक्शंस कट जाएंगे तो उस परिवार को गैस के सिलेण्डर्स कहां से मिलेंगे? ...(व्यवधान) बिना किसी फैसले के, बिना विचार किए हुए आखिर तेल कंपनियों ने कोई नीति बनाई तो उन्हें कोई विचार करना चाहिए था कि कन्या कुमारी से कश्मीर तक के प्रत्येक परिवारों को, चाहे मेट्रोपोलिटन सिटी हो, छोटे शहर हों या ग्रामीण अंचल हों, लोगों की निर्भरता बढ़नी चाहिए...(व्यवधान) आज प्रत्येक परिवार में एक महीने में एक सिलेण्डर खर्च होता है।...(व्यवधान) प्रत्येक परिवार के लिए कम से कम 12 सिलेण्डर्स होने चाहिए। मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं। ...(व्यवधान) यह देश का दर्द है। हम लोग अपने क्षेत्र में जाते हैं। लोग कहते हैं कि इसके दाम बढ़ा दिए जाएं। इस पर कैप न किया जाए। ...(व्यवधान) जब आम व्यक्तियों के द्वारा यह बात उठती है तो कहते कि साहब, अब हमें उपलब्धता नहीं हो रही है।, मैं आपके माध्यम से चाहूंगा कि सरकार आज इन तेल कंपनियों को निर्देशित करे कि उपलब्धता बनाए। जब से इस नई नीति की घोषणा हुई है, आज वह छः के नाम पर जो देने की बात कर रहे हैं और जो उससे नॉन-सब्सिडी लेना चाहे उसके लिए उपलब्धता नहीं है। उन्हें ब्लैक में सिलेण्डर्स लेने पड़ रहे हैं। यह 950 रूपये में नहीं मिल रहा है। ...(व्यवधान)

अधिष्ठाता महोदय, मैं यह चाहता हूं कि इस पर तेल कंपनियां फिर से विचार कर लें। आप इसके दाम बढ़ा लीजिए लेकिन लोगों को उपलब्धता होनी चाहिए। प्रत्येक परिवार को कम से कम एक-एक सिलेण्डर मिलनी चाहिए। यह नहीं कि एक मकान में कई किराएदार रह रहे हों तो उनमें से एक ही व्यक्ति को सिलेण्डर मिलेगा, किसी और को सिलेण्डर नहीं मिलेगा। इस तरह से कनेक्शन विच्छेदन हो रहे हैं। बड़े पैमाने पर भाइयों में बंटवारा हो गया। यह कहा जाता है कि आप दो भाई हैं, आपका एक कनैक्शन था, दो कनैक्शन कैसे हो गए। एक भाई का कनैक्शन कैंसिल किया जा रहा है। लोग हमें ऐप्रोच करते हैं कि हम अलग हैं, हमारा भाई अलग है। हमारा कनैक्शन इसलिए कैंसिल किया जा रहा है क्योंकि वह हमारे भाई के पास है। अगर इस तरह परिवारों के गैस कनैक्शन डिसकनैक्ट किए जाएंगे तो मैं समझता हूं कि इसमें कठिनाई होगी। हम अब भी 300 से 400 रुपये तक सब्सिडी दे रहे हैं। जब हमारी सरकार सब्सिडी उपलब्ध करवा रही है तो तेल कम्पनियों को सुनिश्चित करना होगा कि लोगों को सिलेंडर उपलब्ध हो और नान-सब्सिडी सिलेंडर भी तेल कम्पनियों द्वारा निर्धारित दर पर मिलने चाहिए। मैं समझता हूं कि सिलेंडर की कैप निश्चित तौर से कठिनाई का विषय है। अगर इस पर पुनर्विचार हो सके तो मैं आभारी होऊंगा।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Hon. Members,

Shri Arjun Ram Meghwal,

Shri P.K. Biju,

Shri M.B. Rajesh,

Dr. Anup Kumar Saha,

Shrimati Susmita Bauri,

Shri Pulin Bihari Baske,

Dr. Tarun Mandal,

Shrimati Putul Kumari,

Shri Virendra Kumar,

Shri Ashok Argal,

Shri Shivarama Gouda,

Shri Ramesh Vishwanath Katti,

Shri Udasi Shivkumar Chanabasappa,

Shri Rajendra Agrawal,

Shri Devji M. Patel,

Shri Mahendrasinh Chauhan,

Shrimati Jyoti Dhurve,

Shri Ravindra Kumar Pandey,

Shri P.L. Punia,

Dr. Vinay Kumar Pandey "Vinnu",

Shri Kirti Azad,

Dr. Mirza Mehboob Beg, (Dr.)

Shrimati Botcha Jhansi Lakshmi,

Shri Madan Lal Sharma,

Shri Bapi Raju Kanumuru and

Shri Ganesh Singh are allowed to associate with the matter raised by Shri Jagdambika Pal.